कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्य

1707. **श्री ईश दत्त यादव :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्रों के मुख्य उद्देश्य क्या हैं ;

(ख) क्या और अधिक कृषि विज्ञान केन्द्रों को खोलने का कोई प्रस्ताव है ;

(ग) यदि हां, तो उनके लिए राज्यवार चुने गए स्थान कहां-कहां हैं और

(घ) इन केन्द्रों के कब तक खोले जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :—

(i) राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों/क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों के वैज्ञानिकों, एन.ए.ई.पी. और राज्य विस्तार कार्मिकों के साथ खेतों पर परीक्षण करके क्षेत्र विशेष स्थाई भूमि उपयोग पद्धति के विकास के लिए टैक्नालाजी को परिष्कृत करने और उसे प्रलेखित करने में सहयोग करना ।

(ii) परिचालन के क्षेत्र में कृषि अनुसंधान में होने वाली प्रगति में विस्तार कार्यकर्ताओं को अवगत कराने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण आयोजित करना।

(iii) कृषि और संबंधित व्यवसायों में ग्रामीण युवाओं के लिए दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करना जिसमें संस्थागत वित्तीय सहायता के साथ स्व-रोजगार उत्पन्न करने के लिए करके सीखो" पर बल दिया जाता है।

(iv) उत्पादन आंकड़े और पुर्ननिवेशन (फीड बैक) तैयार करने के लिए विभिन्न फसलों में प्रथम श्रेणी प्रदर्शन आयोजित करना ।

(ख) जी, हां ।

(ग) विभिन्न राज्यों में कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए राज्यवार स्थानों का निर्णय किया जाएगा।

(घ) नवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश के प्रत्येक जिले में एक कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित हो जाएगा ।

स्टेट फार्म कारपोरेशन आफ इंडिया को हुई हानियां

1708. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने स्टेट फार्म कारपोरेशन आफ इंडिया में वित्तीय हानियों को दूर करने के लिए उसके कार्यकरण में परिवर्तन या सुधार लाने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है तथा दिसम्बर, 1994 एवं जून, 1991 में इस कारपोरेशन में कुल कितने कर्मचारी कार्यरत थे और पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान इस कारपोरेशन में कुल कितने मूल्य का उत्पादन हुआ ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) भारतीय राज्य फार्म निगम द्वारा वित्तीय हानियों से बचने के लिए अपनी कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए

आरम्भ किये गये उपचारात्मक उपाय निम्नवत हैं :—

(i) बेहतर आय के लिए फसल-मिश्रण (क्रॉपमिक्स) में परिवर्तन किया जा रहा है।

(ii) बीजों के विपणन का कार्य विभिन्न राज्य सरकारों के साथ जोड़ा जा रहा है ।

(iii) निगम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि फार्मों में सिंचाई की सुविधा को जो कि इस समय एक प्रमुख बाधा है, पुख्ता बनाया जाए ।

(iv) केन्द्रीय राज्य फार्म, सूरतगढ़ में फार्म माइनर का काम पूरा होने वाला है । इसमें सूरतगढ़ फार्म में 3500 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए तथा सरदारगढ़ फार्म में 600 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पानी की व्यवस्था होगी । केन्द्रीय राज्य फार्म बहराइच में 20 गहरे नलकूप लगाये गये है तथा 5 कूओं का कार्य चल रहा है जिससे 750 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के पानी की आपूर्ति में वृद्धि होगी । अलग-अलग फार्मों में 215 हैक्टेयर को ड्रिप सिंचाई तथा 365 हैक्टेयर को छिड़काव सुविधा प्रणाली के अन्तर्गत कवर करने का प्रावधान है ।

(v) संसाधनों का ईष्टतम उपयोग करने के लिए कार्यकलापों का, पौदों की अधिक पैदावार करना, मछली पालन, बतख पालन, सुअर पालन, भेड़ व बकरी पालन आदि के क्षेत्रों में विविधीकृत किया गया है। केन्द्रीय राज्य फार्म आरालाम में आयुर्वेदिक औषधीय पौधों तथा मसालों की खेती का काम भी आरम्भ किया गया है । संकरबीजों, पुष्पोदपादन, मशरूम आदि के खेती के क्षेत्र में भी विविधीकरण का प्रस्ताव है ।

(vi) निगम के पूंजीगत व्यय को; विश्वबैंक की सहायता वाली परियोजना; राष्ट्रीय बीज परियोजना–III के अंतर्गत फार्म विकास के लिए सहायता के साथ जोड़ा गया है । राष्ट्रीय बीज परियोजना–III के अंतर्गत सहमत कार्यवाही योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है ।

निगम में दिसम्बर, 1994 तथा जून, 1991 के दौरान कार्यरत नियमित कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमश 1909 तथा 2011 थी । 1991–92 से 1993–94 तक के पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्पादन का कुल मूल्य नीचे दिया गया है :—

(करोड़ रु.)

वर्ष	कुल उत्पादन
1991–92	27.68
1992–93	23.30
1993–94	28.34

Predictions for Monsoons

1709. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:
SHRI JAGIR SINGH DARD:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) by when the predictions for monsoon for the coming agricultural seasons will be available;

(b) how far, the predictions have been successful during the past ten years;

(c) whether the latest equipment and gadgets are available with the Government agenices for proper predictions; and

(d) to what extent do the farmers make use of the predictions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) The prediction for coming South-West Monsoon season